



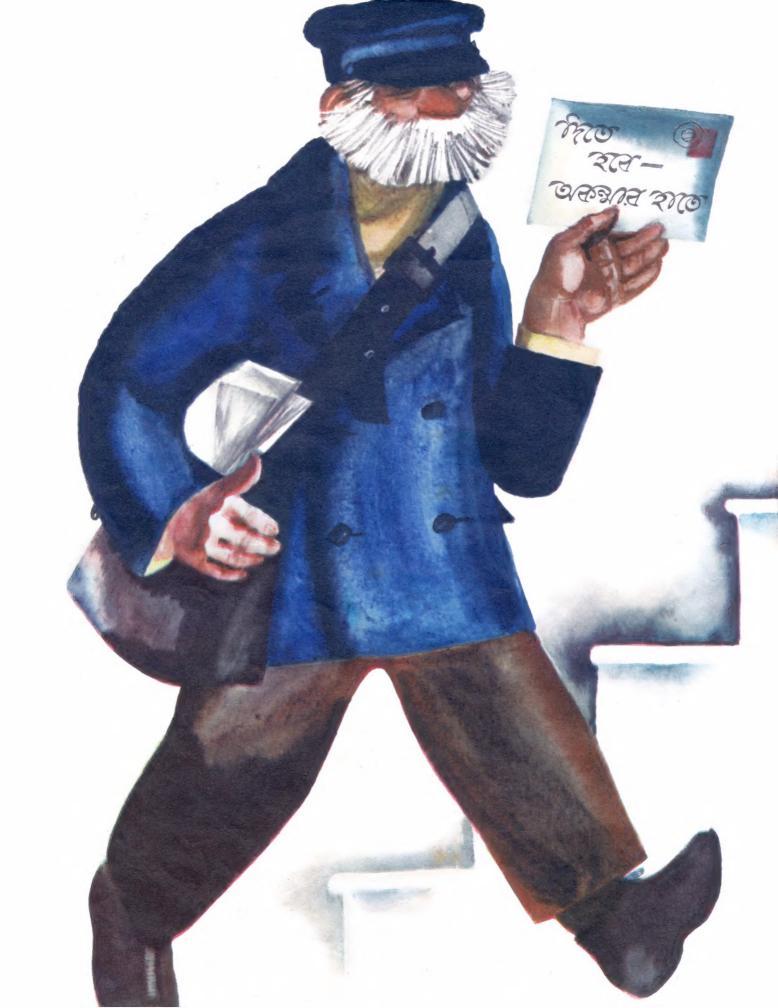






ইয়া. আকিম









শ্বনেছ তো?
চিঠি নিয়ে
ঘ্বরছে পিয়ন
পাড়াতে,
কে জানে, চিঠি
আছে বা কার
বরাতে।

দলা-মোচড়া খাম, আর তাতে লেখা আছে:



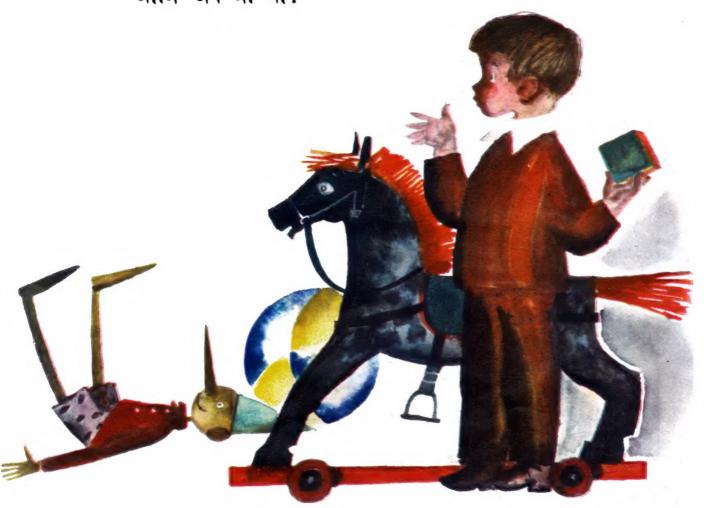


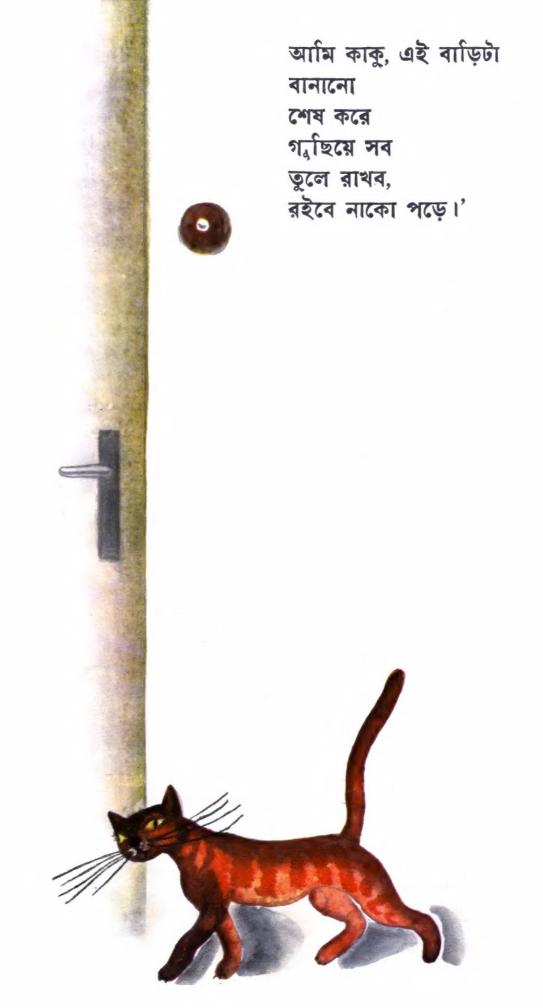


ওপরে থাকে আন্দ্রিউশকা, ওপরে পিয়ন এল।

ঘরটা জ্বড়ে খেলনা তার ছড়ানো এলোমেলো।

কাঁচুমাচু
আন্দ্রিউশকা
শ্বনেই ঠিকানা:
'না, না, কাকু,
আমি অকম্মা না!

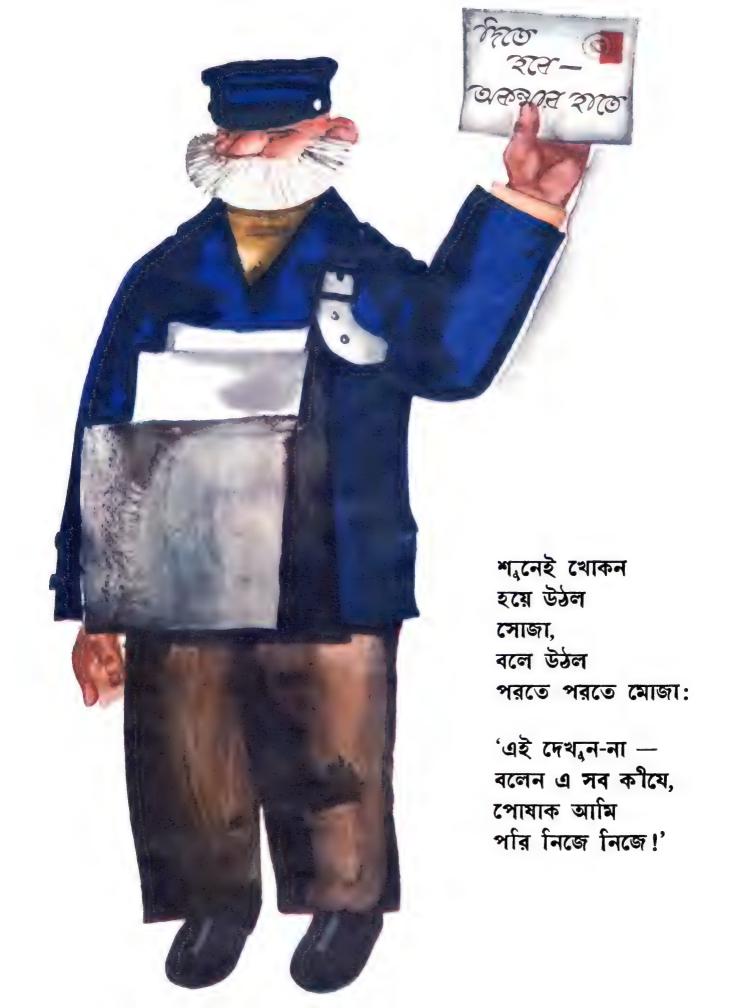






গেল পিয়ন পাশের ফ্ল্যাটে, তখন ঘুমটি ভেঙে সবে উঠেছে খোকন।







অন্য এক ফ্ল্যাটে পিয়ন গেল তার পরে, দেখে, রান্নাঘরে

ধোয়া হয়েছে
ডিশ-প্লেট,
এখন
মা-মেয়েতে
মুছে রাখছে
একগাদা বাসন।

হাসি মুখে
বললে পিয়ন:
'দেখছি
কেবলৈ ভুল
জায়গা এসে
ঠেকছি!'









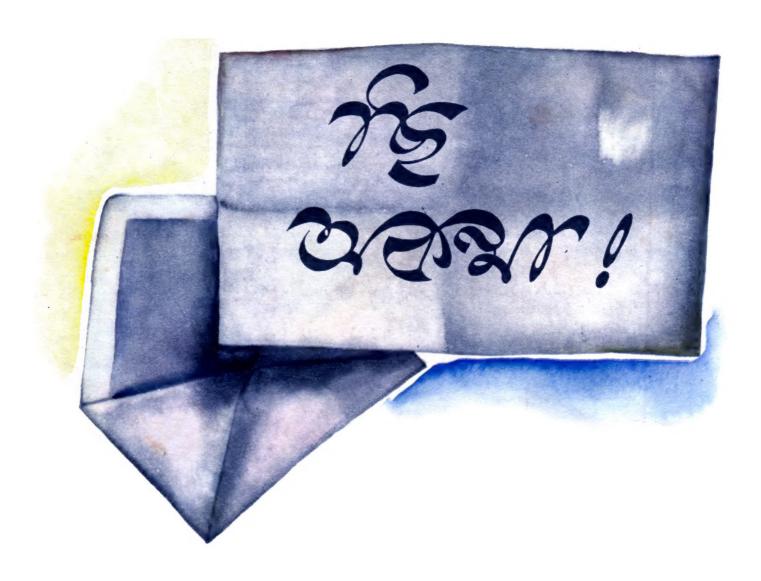
নেমেই এল পিয়ন, আরে, আরে!

একটু হলে পড়ত গিয়ে বোরিয়ার ঘাড়ে —

তিনবছারে ছোট ছেলে জল দিচ্ছে গাছে।

না, এখানে নেই অকম্মা, কে জানে কোথা আছে!





জিরিয়ে পিয়ন
ফের চলল
অকম্মার খোঁজে —
পাবে কি তাকে
অতই সহজে?

ঠিকানা খ্রুজে ঘ্রুরছে চিঠি তামাম দ্বনিয়ায়। দেব কি বলে কী আছে চিঠিটায়? খামের মধ্যে লেখা আছে এ কী — ''ছি অকম্মা!'' কী লজ্জার কথা বলো দেখি!

আর তোমাদের কাছে আমার বায়না, চিঠি যেন ঠিকানা তার কোথাও খ¦জে পায় না!





অন্বাদ: ননী ভৌমিক

ছবি এ'কেছেন ফ. লেমকুল







Я. АКИМ

НЕУМЕЙКА

На языке бенгали

€Π

প্রগতি প্রকাশন • মস্কো

Перевод сделан по книге: Я. Аким. Неумейка. Москва. Детская литература. 1968 г.

Художественный редактор В. Я. Пушкарева Технический редактор Н. С. Андрианова

Подписано к печати 2/IV 1973 г. Формат 60×90%. Бум. л. 1%. Печ. л. 2%. Уч.-изд. л. 2,56. Изд. № 15662. Заказ № 600. Цена 33 коп. Тираж 20300 экз.

Издательство "Прогресс" Государственного комитета Совета Министров СССР по делам издательств, полиграфии и книжной торговли. Москва Г-21, Зубовский бульвар, 21.

Ленинградская фабрика офсетной печати № 1 Союзполиграфирома при Государственном комитете Совета Министров СССР по делам издательств, полиграфии и книжной торговли. Ленинград, 197101, Кронверкская ул., 7.